09/04/2021
FRIDAY

SSLC EXAMINATION - 2021

HINDI Answer key

1. छठी कक्षा में
2. मैं
3. दोनों के पाँचवी कक्षा का रिज़ल्ट आता है। दोनों छठी में आ गए। लेकिन यह स्कूल पाँचवी तक ही था। साहिल छठी कक्षा में पढने केलिए अजमेर जाता है। वेला पढ़ने केलिए राजकिय कन्या पाठशाला में जाती है। इसलिए दोनों अलग-अलग स्कूल में जाते हैं।

4. पटकथा

दृश्य - एक

फुलेरा का कच्चा रास्ता। समय सवेरे ग्यारह बजे।
(पाँचवी कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। उनका स्कूल पाँचवी तक ही था। वेला और साहिल बातें करके आते हैं।)

वेला : साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे ?
साहिल : तुम कहाँ पढ़ोगी ?
वेला : पापा ने कहा कि मुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढाएँगे।
साहिल : मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल में मैं अकेला रहूँगा।
वेला : क्यों साहिल ?
साहिल : पता नहीं क्यों ?
वेला : तो यानी अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे।
साहिल : नहीं। तुम्हारा रियोर्ट काई दिखाना।
वेला : लो। तुम्हारा काई दिखाओ।
साहिल : तुम्हारी आँखों में आँसू क्यों आ रहे हैं वेला ?
वेला : मुझे क्या पता ?

साहिल : क्या देख रही हैं ?
वेला : मैं चिढ़ाऊँ अब तुम्हें ? 'शेनी सूरत साहिल। शेनी सूरत साहिल'।-

(वेला और साहिल दुःख भरे हृदय से विपरीत दिशा में चलते हैं।)

5. डायरी

फुलेरा
09/04/2021

आज कैसा दिन था! मन में दुःख है या खुशी ? हम दोनों छठी में आए। वह खुशी की बात है। लेकिन आज हम अलग हो गए। हमारा स्कूल पाँचवी तक ही था। पिता ने कहा की मैं अगले साल राजकीय कन्या पाठशाला में हूँगी। साहिल अजमेर जाएगा। वहाँ वह एक हॉस्टल में रहेगा। हमारी दोस्ती के अंत के बारे में सोचते ही आँसें भर गयी। आगे हम छुट्टियों में ही मिलेंगे। साहिल, पढ़ाई में मेरी मदद करता था। हम सदा एकसाथ चलते थे। हमारा रास्ते में साथ-साथ चलना, मिलकर बीरबहूटियाँ खोजना, कक्षा, खेल सब कुछ खतम। मन दुःख से भरा है।

6. टूटा पहिया

7. हुरुह

8. मैं
रथ का टूटा पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत

9. हिंदी के प्रमुख कवि धर्मवीर भारती की एक छोटी कविता है 'टूटा पहिया'। इसमें अभिमन्यु और टूटे पहिए के प्रतीक से कवि मानव मूल्यों की प्रधानता हमें समझाते हैं। रथ का टूटा पहिया कहता है कि मैं रथ का टूटा पहिया हूँ, लेकिन अनुपयोगी समझकर मुझे मत फेंकना। जीवन की विषमताएँ रूपी चक्रव्यूह में शोषण की अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ कोई शोषित मनुष्य अभिमन्यु के समान आ जाए तो मैं, टूटा हुआ पहिया, उसका सहारा हो जाऊँ। कुरुक्षेत्र युद्ध में अर्जुनपुत्र अभिमन्यु कौरवों से रचित चक्रव्यूह में फँस गया। लड़ते-लड़ते वह निरायुध हो गया। आखिर उसने टूटे रथ चक्र का सहारा लिया था। निरायुध से लड़ना युद्ध की धार्मिकता के विरुद्ध है। अपने मार्ग को असत्य जानते हुए भी महारथी अभिमन्यु पर टूट पड़े। शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति से असहायों की आवाज़ को कुचल देना चाहता है। तब आम जनता को मानव मूल्य रूपी टूटे पहिए का सहारा लेना पड़ता है। यहाँ कवि ने कई बिंबों और प्रतीकों से कविता की रचना की है। आज के समाज के शोषित जन को शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठाने का आह्वान भी इसमें है। संकट में पड़े मनुष्य की ऐन मौके पर रक्षा करने को समर्थ मानव मूल्य चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यु के हाथ के टूटे पहिए के समान है। मानव मूल्यों की शक्ति सरल भाषा में कवि ने व्यक्त की गयी है।

10. खेल घंटी में खाने की अदला - बदली का

11. मिहिर की

12. (क) मिहिर और मोरपाल - स्कूल का दोस्त थे।
(ख) मिहिर और मोरपाल के बीच - खाने की अदला - बदली होती थी।
(ग) मिहिर राजमा - चावल - टिफ़िन में लाता था।
(घ) मोरपाल अपने घर से - छाछ लाता था।
(ङ) मिहिर के लिए राजमा - साधारण - सी चीज़ थी।

स्थान,
13. तारीख

प्रिय माँजी,

मैं हमेशा तुम्हारे बारे में सोचता हूँ। काम की व्यस्तता के कारण लिखने का समय नहीं मिलता था। अब मैं एक बात बताता हूँ। तुम मुझे भाटी सा की चाय की थड़ी में छोड गई थी न। फिर मेरे जीवन में सुख और दुःख दोनों थे। मेरा सपना डॉ. कलाम बनना था, इसलिए मैं ने अपना नाम अंग्रेज़ी खुद कलाम रख लिया। फिर मैं ने अंग्रेज़ी पढ़ी और अब जीवन में कुछ उन्नति पर आया हूँ। अब मेरे जीवन में खुशी है। डॉ. कलाम को देने के लिए मैं ने एक चिट्ठी लिखी थी। वह मैं खुद जाकर उन्हें दूँगा। कल मैं दिल्ली को निकलूँगा। तुम्हारा आशीर्वाद सदा मेरे साथ हो।

प्यार से
तुम्हारा बेटा
छोटू।

पता

14. उसकी मुसीबतों को पहचानना

15.

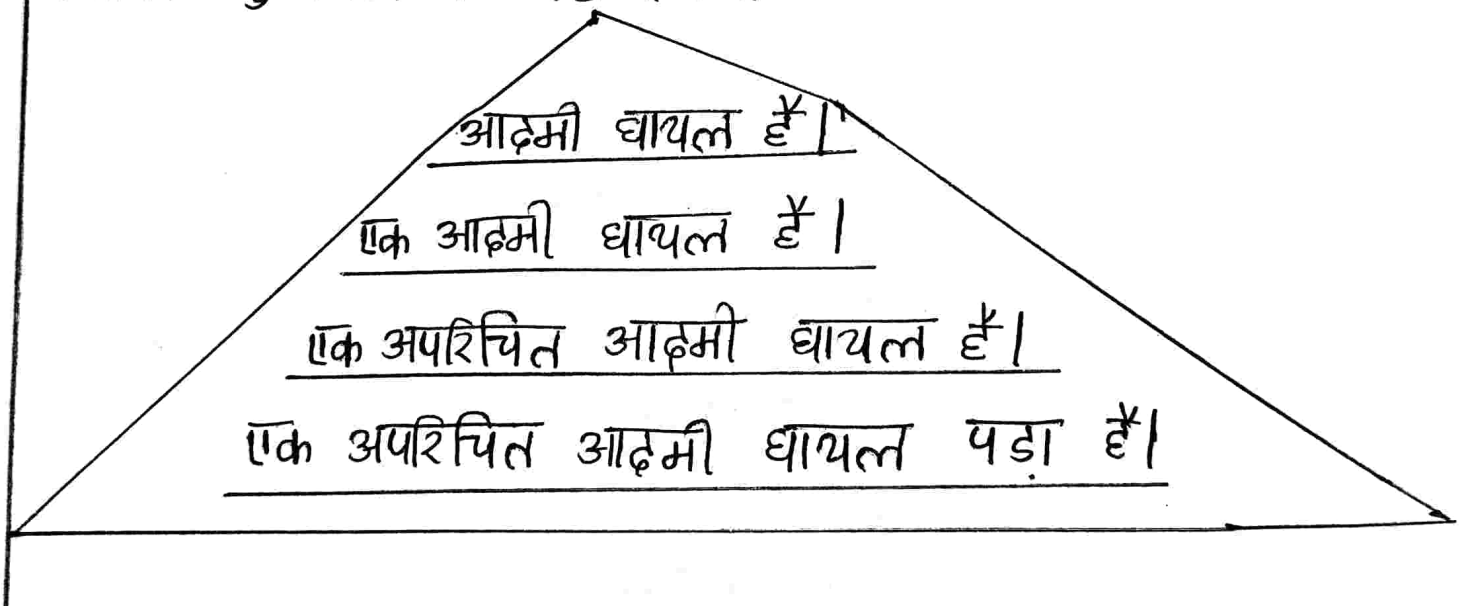

19 अगस्त-विश्व मानवता
दिवस

17. माँ की आवाज़ फटने से।

18. पहले मैं ये पैसे वटोरूँगा और उसके वाद ही गाऊँगा इस घोषणा ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

19. क) चार्ली का गाना सुनकर लोग खुश हो गए।
ग) चार्ली को शंका हुई कि मैनेजर पैसे लेना चाहता है।
ड) चार्ली ने पैसे वटोरने के वाद गाना चाहा।

मैनेजर - हेन्नाजी, देखिए न, दर्शक शोर मचा रहे हैं। उनको किसी न किसी तरह शांत कराना होगा।

माँ - मैं क्या करूँ, गा नहीं पा रही हूँ। मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गयी है।

मैनेजर - लेकिन इसी तरह छोड दें तो वे सब कुछ तोड देंगे। आपका बेटा है न चार्ली, वह छोटा है लेकिन किसी तरह इन दर्शकों को शांत कराए तो ...

माँ - नहीं जी। पाँच साल का छोटा बच्चा इस उग्र भीड को कैसे झेल पाएगा। मैं नहीं मानूँगी।

मैनेजर - हमारे सामने और कोई चारा नहीं न ? इसलिए बता रहा था। क्योंकि मैंने आपके बेटे को आपके मित्रों के सामने अभिनय करते हुए और गीत गाते हुए देखा था। मुझे लगता है कि इस हालत में उसकी सहायता लेना ठीक होगा।

माँ - लेकिन मैं कैसे बताऊँ, इस छोटे बच्चे को स्टेज पर भेजने के लिए। मुझे डर लगता है।

मैनेजर - हम सब तो हैं न। उसे अकेले छोडकर हम नहीं जा रहे हैं। हम उसको स्टेज पर छोडेंगे।

माँ - मैं क्या बताऊँ सर। और कोई उपाय नहीं तो आपकी मर्ज़ी।

21. छोटा लेकिन बड़ा शो मैन

स्थानः यहाँ के अल्डरशोट के एक थिएटर में एक छोटे बच्चे के शो ने सब के मन को खींच लिया है। चार्ली है उसका नाम। गाते वक्त अपनी माँ की आवाज़ को फटते समझकर मैनेजर के साथ वह स्टेज पर आया। जैक जोन्स गाने से शुरू करनेवाले उस बालक ने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी। उसकी शो ने दर्शकों में उल्लास भरा। उन्होंने तालियाँ बजाकर चार्ली को प्रोत्साहित किया। यह पाँच साल का लड़का चार्ली ने अपने को छोटा नहीं बड़ा शो मैन साबित किया है।

22. पानी को उबाल देने से पानी की खराबी जाती रहती है।

23. गंगी बोलती है।

24. उनके गाँव में केवल तीन कुएँ थे। दो कुएँ ठाकुर और साहू के घर में थे। लेकिन उस कुएँ से पानी भरने निम्न जाति लोगों को हक नहीं था तीसरा कुआँ बहुत दूर था। उस कुएँ में कोई जानवर गिरकर पानी में बदबू आता है। इसलिए निम्न जाती के लोग पानी भरने की तकलीफ़ में पड जाते हैं।

25. गंगी एक गरीब औरत है। अपनी गरीबी में सब कुछ सहकर वह जीती है। समाज के निम्न वर्ग की औरत होने के कारण उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अपने बीमार पति को ताज़ा पानी पिलाने में असमर्थ गंगी बहुत परेशान होती है। उच्च वर्ग के लोगों के कुकर्मों को समझकर उसके मन में गुस्सा आता है। जाति-प्रथा के बारे में उसका प्रश्न यह है कि 'यह भिन्नता क्यों और कैसे आई?' गंगी का दिल ठाकुर जैसे लोगों की अनीति पर विद्रोह प्रकट करता है। उनके बुरे कामों पर वह घृणा भी प्रकट करती है।

गंगी एक साहसी औरत भी है। अपने पति के लिए रात में पानी लाने के लिए वह ठाकुर के कुएँ की जगत पर पहुँचती है। अवसर पाकर पानी खींचती है लेकिन ठाकुर को आते देखकर वह भाग जाती है। पति को बदबूदार पानी पीते देखकर गंगी का मन दुःख से भर जाता है।

26. कवि के समान

27. मल्लाह गज़लें सुनाने लगा।

28. बूढ़े मल्लाह सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनियान तक नहीं थी।

29. दीदी की

30. क्योंकि गुठली का नाम शादी के कार्ड में छपवाना भूल गया, इसलिए गुठली का मुँह उतर गया।

31. लड़का - लड़की का भेदभाव, पुराने ज़माने से लेकर हमारे समाज में लड़के - लड़कियों के बीच में भेदभाव हो रहे हैं। अधिकांश माँ - बाप का विचार यह है कि लड़का अपना अमानत है। लड़की पराये की अमानत है। इसलिए अधिकांश से अधिक लड़कों से प्यार करते हैं।